University in News on 02 June 2025

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय : आधुनिक पढ़ाई के साथ प्लेसमेंट भी

एआइसीटीई से मान्यता प्राप्त और इंडस्ट्री की मांग के अनुसार अपडेट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम। पढ़ाने के लिए अच्छे शिक्षक। आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), एप्पल आइमैक सहित 20 प्रयोगशालाएं और पढ़ाई के साथ प्लेसमेंट की भी सुविधा। अपनी इन खास बातों से लखनऊ विश्वविद्यालय का इंजीनियरिंग संकाय विद्यार्थियों की प्राथमिकता में रहता है। यहां बी.टेक में प्रवेश यूपीटेक की काउंसिलिंग से होते हैं, जिसमें सीएसई और एआइ सबसे पहली पसंद होती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में इंजीनियरिंग संकाय की स्थापना 2017 में हुई थी। यहां छह ब्रांच में बी.टेक, एम.सी.ए, बी.सी.ए, पार्ट टाइम एम.टेक, बी.फार्मा व डी.फार्मा कोर्स संचालित हैं। संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. हिमांशु पांडेय बताते हैं कि बी.टेक कंप्यूटर साइंस

लवि का इंजीनियरिंग संकाय

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को नवीनतम औद्योगिक आवश्यकताओं और भविष्य की तकनीकी दिशा को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इसमें क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लाकचेन, बिग डेटा, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और एआइ जैसे इंडस्ट्री-फोकस्ड विषय शामिल हैं, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं के तकनीकी समाधान विकसित करने की व्यावहारिक दक्षता दी जाती है। वहीं, बीसीए कोर्स विद्यार्थी को इंडस्ट्री के अनुकूल व्यावसायिक कौशल भी सिखाता है। इसमें डेटा माइनिंग, डेटा स्ट्रक्चर और एल्गोरिद्म, साइबर ला और इंटरनेट सुरक्षा, मोबाइल कंप्यूटिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स और वेब डिजाइन कांसेप्ट पढ़ाए जाते हैं। पाइथन, जावा, यूनिक्स और शेल प्रोग्रामिंग जैसी आधुनिक प्रोग्रामिंग भाषाएं सिखाई जाती हैं। ये सभी तकनीकी कंपनियों में अत्यधिक उपयोगी हैं। इस कोर्स में प्लेसमेंट भी काफी अच्छा है।

अच्छा प्लेसमेंट

इंजीनियरिंग में कैंपस प्लेसमेंट भी काफी अच्छा है। इंचार्ज-ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल डा. हिमांशु बताते हैं कि पांच वर्षों में 2300 से अधिक विद्यार्थियों को तीन सौ से ज्यादा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट मिल चुका है। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र आयुष्मान दुबे-जोमैटो में 62 लाख वार्षिक पैकेज, अर्जुन दुबे को डाक्यूसाइन में 50 लाख, प्रतीक मिश्रा-एटलन में 40 लाख और कार्तिक गुप्ता-क्वड्रेंट में 26 लाख के वार्षिक पैकेज पर साफ्टवेयर डेवलपर के पद पर कार्य कर रहें है। लगातार प्लेसमेंट जारी है।

कोर्सवार सीटें

- बीटेक : 750
- बीफार्मा : 100
- डीफार्मा : 100
- बीसीए : 150
- एमसीए : 60
- पार्ट टाइम एमटेक : 100

ये हैं बीटेक की ब्रांच

सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, एआइ इंजीनियरिंग।

ये भी जानें

- इंजीनियरिंग संकाय की स्थापना : वर्ष 2017
- शिक्षक : 70
- विद्यार्थी : 3,000
- प्रयोगशालाएं : 20

बी.टेक में विद्यार्थियों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) और एआइ होती है। अब इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन की मांग भी बढ़ रही है, क्योंकि सरकार ने अब सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री पर भी फोकस किया है। ऐसे में भविष्य के लिए यह मास्टर स्ट्रोक साबित होगा। हमारे सभी कोर्स इंडस्ट्री की मांग के अनुसार हर साल आपडेट और आपग्रेड किए जाते हैं। 90 प्रतिशत तक प्लेसमेंट भी होते हैं।

– प्रो. एके सिंह, डीन, इंजीनियरिंग संकाय, लवि